दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 06.04.2026

प्रकाशनार्थ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया डॉ. टी.पी. शाही कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र का उद्घाटन

गोरखपुर, 6 अप्रैल 2026 दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. तेज प्रताप शाही मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित अत्याधुनिक टी.पी. शाही कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा किया गया। यह आयोजन स्वर्गीय डॉ. तेज प्रताप शाही जी की पुण्यस्मृति में उनके सुपुत्र श्री अनन्य प्रताप शाही द्वारा किया गया। यह सराहनीय पहल का प्रतीक है, जो शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. शाही दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास विभाग के समर्पित शिक्षक एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सम्मानित सदस्य रहे। उनका सम्पूर्ण जीवन शिक्षा, संस्कार एवं समाज सेवा के आदर्श मूल्यों को समर्पित रहा। वे न केवल कुशल शिक्षक थे, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रेरणास्रोत भी थे। उनके व्यक्तित्व में शिक्षा के प्रति समर्पण, अनुशासन एवं नवाचार की स्पष्ट झलक दिखाई देती थी। डॉ. शाही द्वारा स्थापित शैक्षिक परंपराएं आज भी महाविद्यालय के वातावरण को सशक्त बना रही हैं।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वर्गीय डॉ. टी.पी. शाही की पुण्य स्मृति को नमन किया तथा उनके योगदान पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा, स्वर्गीय डॉ. टी.पी. शाही इस महाविद्यालय परिवार के एक वरिष्ठ सदस्य थे, जिन्होंने लंबे समय तक अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कीं। उनके पुत्र द्वारा महाविद्यालय में स्थापित यह अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र निश्चित रूप से विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। भावुक स्वर में योगी जी ने आगे कहा, व्यक्ति के रहते हुए हम उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। डॉ. टी.पी. शाही एक ऐसे विरल व्यक्तित्व के धनी थे, जिनके कार्य और संबंध दोनों में समानता की कला थी। पुज्य महाराज जी के साथ विपरीत परिस्थितियों में भी वे सदैव खड़े रहे।

मा0 मुख्यमंत्री जी ने डॉ. शाही के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब वे गोरक्षपीठ के सक्रिय सदस्य होते हुए कांग्रेस से जुड़े थे, तब भी उन्होंने कांग्रेस एवं गोरक्षपीठ के बीच समन्वय बनाए रखा, जो अलग–अलग ध्रुव होने के बावजूद एकजुटता का प्रतीक था। राजनीति के साथ–साथ शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में भी उनकी विशेष पकड़ थी। योगी जी ने आधुनिक

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

तकनीक पर जोर देते हुए कहा, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आपके कार्यों को सुगम बना सकता है और यह सुविधा इस लैब में आसानी से उपलब्ध होगी। विद्यार्थी इसका लाभ उठाकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकेंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने आभार ज्ञापन करते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में महाविद्यालय विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है। प्रवेश संख्या 5000 पर स्थिर बनी हुई है, जबकि अन्य संस्थानों में नामांकन में गिरावट आई है। वर्तमान में 42 शोधार्थी शोध कार्य कर रहें हैं। महाविद्यालय ने दो राष्ट्रीय एवं तीन अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्राप्त हैं। विद्यार्थी विश्वविद्यालय स्तर पर अपना नाम रोशन कर रहे हैं तथा वर्तमान सत्र में ही 18 विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। प्राचार्य ने जोर देकर कहा कि डॉ. टी.पी. शाही कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र भावी पीढ़ी और वर्तमान शोधार्थियों के लिए उत्कृष्ट केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

इस अवसर पर श्री अनन्य प्रताप शाही, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य, ने अपने पिता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह लैब अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। युवा ही देश का भविष्य हैं। डॉ. शाही के प्रेरक कथन उद्धृत करते हुए कहा कि अगर उड़ नहीं सकते तो दौड़िए, दौड़ नहीं सकते तो चलिए, चल नहीं सकते तो रेंगिए, लेकिन निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर होते रहिए। यह लैब न केवल शिक्षा को मजबूत करेगी, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होगी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, सदस्य विधान परिषद डॉ. धर्मेंद्र सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी, मेयर मंगलेश श्रीवास्तव, पूर्व मेयर अंजू चौधरी, पूर्व प्राचार्य पीजी कॉलेज डॉ. गीता दत्त, अतिरेक प्रताप शाही, चांदनी शाही सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। यह उद्घाटन न केवल महाविद्यालय के लिए, बल्कि पूरे गोरखपुर क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो डॉ. टी.पी. शाही के सपनों को साकार करता है।

(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क